अमेरिका ने इराक के आतंकी गिरोह इस्लामिक रेजिस्टेंस को ठहराया जिम्मेदार, जवाबी हमले की तैयारी

वाशिंगटन । जॉर्डन में ड्रोन हमले को लेकर अमेरिका के व्हाइट हाउस से आधिकारिक बयान सामने आया है, जिसमें इराक के एक आतंकी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस को इसका जिम्मेदार ठहराया गया है। बताया जा रहा है कि यह उग्रवादियों का एक ऐसा समूह है जिसने तीन अमेरिकी सेवा सदस्यों की जान ले ली थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हमारा मानना है कि जॉर्डन में हमले की योजना, संसाधन और सुविधा इराक में इस्लामिक रेजिस्टेंस नामक एक समूह द्वारा बनाई गई थी, जिसमें कताइब हिजबुल्लाह सहित कई समूह शामिल हैं।

किर्बी ने कहा कि कताइब हिजबुल्लाह पूरी तरह से दोषी नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकी समूह अमेरिकी ठिकानों पर पिछले हमलों की जिम्मेदारी साझा करता है। बता दें कि हमास द्वारा इजराइल पर 7 अक्तूबर के हमले के बाद से हुए कई हमलों में से जॉर्डन में अमेरिकी सेना पर ड्रोन हमला एक महत्वपूर्ण घटना थी। उन्होंने आगे बताया कि यह पहली बार है जब हमले के बाद मध्य पूर्व में सीधी गोलीबारी में अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है।

हमले में गंवाई इन सदस्यों ने जान

इस हमले में दिवंगत हुए सेवा सदस्यों की पहचान कैरोलटन, जॉर्जिया के 46 वर्षीय सार्जेंट विलियम रिवर के रूप में की गई। इसके अलावा जान गंवाने वालों में वेक्रॉस, जॉर्जिया के 24 वर्षीय सार्जेंट कैनेडी सैंडर्स और सवाना, जॉर्जिया की 23 वर्षीय सार्जेंट ब्रियोना मोफेट शामिल थे। आर्मी रिजर्व के अनुसार, सैंडर्स और मोफेट को मरणोपरांत विशेषज्ञ के पद से सार्जेंट के पद पर पदोन्नत किया गया था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने व्यक्तिगत रूप से तीन सेवा सदस्यों के परिवारों से बात की और डोवर वायु सेना बेस में उनके सम्मानजनक स्थानांतरण में शामिल होंगे।

जवाबी कार्रवाई की तैयारी

तीन मौतों के अलावा, 40 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो गए, जिनमें से तीन व्यक्तियों को आगे के इलाज के लिए जर्मनी के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जबकि एक की हालत स्थिर और एक की गंभीर बनी हुई है। किर्बी ने आगे कहा कि अमेरिका हमले का जवाब देने के लिए तैयार है, जिसमें कई चरणों में जवाबी हमले की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा, हम अपने निर्धारित समय पर अपने समय पर जवाबी कार्रवाई करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

इब्राहिम इस्कंदर बने मलयेशिया के नए सुल्तान, 300 लग्जरी कार समेत 47 लाख करोड़ की संपत्ति के मालिक

कुआलालंपुर । मलयेशिया में जोहोर राज्य के इब्राहिम इस्कंदर देश के नए सुल्तान बन गए हैं। उन्होंने देश के 17वें सुल्तान के रूप में शपथ ली।। वह अगले पांच वर्षों तक देश के सुल्तान बने रहेंगे। बता दें कि ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद साल 1957 से ही मलयेशिया में हर पांच वर्षों में सुल्तान का चयन होता है। शाही परिवार से रखते हैं ताल्लुक शपथ समारोह से पहले सुल्तान इस्कंदर ने प्राइवेट जेट से कुआलालंपुर के लिए उड़ान भरी थी। हालांकि, हर साल वह जनता से मिलने के लिए मोटरसाइकिल पर अपनी यात्राएं निकालते थे। बता दें कि सुल्तान इस्कंदर शाही परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके बड़े बेटे मलयेशिया के क्राउन प्रिंस टुकू इस्माइल भारतीय सेना में कैप्टन भी रह चुके हैं। सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर के पास कुल 47.33 लाख करोड़ की संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास 300 लग्जरी कारें भी हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, सुल्तान के पास उनकी एक प्राइवेट आर्मी भी है और बोइंग 737 समेत कई प्राइवेट जेट भी हैं। सिंगापुर में भी है जमीन मलयेशिया के अलावा सिंगापुर में भी सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर की जमीन है। इस जमीन की कीमत चार अरब डॉलर के करीब बताया जाता है। इसमें टायरसल पार्क और बोटानिक गार्डन भी है। सुल्तान इब्राहिम के पास रियल एस्टेट, खनन से लेकर पाम ऑयल जैसे बिजनेस में हिस्सेदारी भी है। सुल्तान की पत्नी भी शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। मलयेशिया में हर पांच वर्षों में सुल्तान का चयन होता है। इस देश में कुल 13 राज्य और नौ शाही परिवार हैं। राजा बनने के लिए एक गुप्त मतदान होता है, जिसमें बैलेट पेपर का इस्तेमाल किया जाता है। बैलेट पेपर में राजा बनने वाले व्यक्ति का नाम होता है और हर सुल्तान को यह बताना जरूरी होता है कि नामांकन व्यक्ति राजा बनने के काबिल है या नहीं।

हिंदुओं के लिए नए युग की शुरूआत, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर बोले कनाडा के सांसद चंद्र आर्य

ओटावा । 22 जनवरी को अयोध्या में हुए राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दुनियाभर से अभी भी तमाम प्रतिक्रियाएं आ रही है। भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने समारोह की सराहना करते हुए कहा कि दुनियाभर में 1.2 अरब हिंदुओं के लिए एक युग की शुरूआत है। राम मंदिर पर कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि उन्होंने ओटावा स्थित हिंदू मंदिर में इस भावनात्मक क्षण के समारोह को लाइव कवरेज के जरिए देखा। दुनिया के सबसे पुराने धर्म के इतिहास में 22 जनवरी 2024 एक नए युग की शुरूआत हुई। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एक भावनात्मक क्षण- आर्य कनाडा के सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि सदियों का इंतजार और लोगों के बलिदान के बाद अयोध्या में दिव्य राम मंदिर का उद्घाटन भगवान राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा के साथ किया गया। इस कार्यक्रम को पूरे कनाडा में मौजूद लगभग 115 मंदिरों में अन्य लोगों की तरह मैंने भी कार्यक्रम का लाइव कवरेज देखा, जो वास्तव में एक भावनात्मक क्षण था। विश्व गुरू बनने के लिए सभ्यता का पुनर्निर्माण कर रहा भारत- आर्य भारत और कनाडा को एक-दूसरे का साझेदार बताते हुए कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने के लिए अपनी सभ्यता का पुनर्निर्माण कर रहा है। दोनों देश आर्थिक अवसरों को साझा करने और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए हम एक प्राकृतिक साझेदार है।

बर्गर- रैप और फ्राइज़ जैसी चीज़ें घटाती है मोटापा, सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर ने किया यह दावा

सियोल । अगर कोई शख्स ये दावा करे कि बर्गर- रैप और फ्राइज़ जैसी चीज़ें मोटापा बढ़ाती नहीं हैं बल्कि आपका वज़न घटने में मदद करती हैं, तो क्या आप यकीन करेंगे बीन डीन नाम के एक सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर का दावा है कि वो सिर्फ और सिर्फ मैकडॉनल्ड के बर्गर और फास्ट फूड खाना खाता है। जिसे खाने से लोगों का वजन बढ़ता है बीन का दावा है कि उससे उसका वज़न जल्दी-जल्दी घट रहा है। वो सिर्फ मैकडोनल्ड के बिग मील खाता है और एक विटामिन की गोली दिन में लेता है। बावजूद इसके उसे इससे फायदा ही हुआ है, कोई नुकसान नहीं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूट्यूबर बीन डीन ने अपने साथ एक प्रयोग किया है। अमेरिका के मूल निवासी बीन ने इस वक्त अपना ठिकाना साउथ कोरिया की राजधानी सियोल में बना रखा है। उसने दावा किया है कि वो इस वक्त सिर्फ और सिर्फ बिग मैक नाम के मैकडॉनल्ड के खास बर्गर पर सर्वाइव कर रहा है। हैरानी की बात ये है कि उसे इससे अपने वजन में कमी होती नज़र आ रही है। उसने डॉन गोर्स्के नाम के शख्स से ऐसा करने की प्रेरणा ली, जिसने अपनी ज़िंदगी के 50 साल सिर्फ बिग मैक बर्गर पर ही गुज़ार दिए।बीन का दावा है कि बर्गर में कुल 590 कैलोरी होती हैं।

जबरन गुमशुदगी का एक और मामला, सीपीईसी राजमार्ग पर प्रदर्शन ; बलूच संगठन ने बाइडन को पत्र लिख मांगी मदद

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान का अशांत बलूचिस्तान देश का सबसे ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों वाला प्रांत है। लेकिन, इसका इतिहास मानवाधिकार उल्लंघनों से भरा हुआ है। पाकिस्तानी सेना पर आरोप लगते रहे हैं कि वह इस सबसे कम विकसित प्रांत में लोगों को जबरन गायब कर रही है। इस बीच, एक व्यक्ति की गुमशुदगी का मामला सामने आया। इसके बाद लोगों ने प्रांत में सीपीईसी राजमार्ग को जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच कर रही हैं। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों पर प्रदर्शनकारियों को धमकाने और पीटने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, लापता व्यक्ति के परिजनों का विरोध जारी है। महरंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरों को साझा किया है। इसमें व्यक्ति के लापता होने के बाद लोगों को सड़क को बंद करते हुए देखा जा सकता है।

मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग ने क्या कहा

महरंग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी का एक और मामला। केच (जिले) के रहने वाले वाहिद बक्स को उनके घर से अगवा कर लिया गया है। उनके परिवार ने उनकी रिहाई की मांग को लेकर सीपीईसी मार्ग को बंद कर दिया है। सेना के अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों और परिवार को धमकाया और उनके साथ मारपीट की। लेकिन, परिजनों ने अपना विरोध जारी रखा हुआ है।

स्थानीय निवासियों ने की बुजुर्ग की रिहाई की मांग

पाकिस्तानी बलों ने दरम्यानी रात केच जिले से बुजुर्ग को जबरन गायब किया। जिले के तुरबत शहर के बाहरी इलाके सामी में पाकिस्तानी बलों ने छापेमारी की और व्यक्ति को गायब कर दिया। घटना के बाद लापता व्यक्ति के परिजनों और स्थानीय निवासियों ने सामी के नजदीक एम-8 सीपीईसी राजमार्ग बंद किया और उनकी सुरक्षित वापसी की मांग की।

सुरक्षा बलों की प्रदर्शनकारियों से हुई हाथापाई

खबर के मुताबिक, बड़ी संख्या में पाकिस्तानी बलों ने राजमार्ग पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को घेरा। सुरक्षा बल बंदूक लहरा रहे थे। इस दौरान हाथापाई भी हुई। सुरक्षाबलों ने एक अन्य युवक को भी वहां से गायब करने की कोशिश की। इससे पहले उसी राजमार्ग पर बहादुर चाकर नाम के एक युवक को जबरन गायब कर दिया गया था। हालांकि,एक दिन बाद युवक को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

बलूच अमेरिकी कांग्रेस ने बाइडन को लिखा पत्र

इस बीच, बलूच अमेरिकी कांग्रेस (बीएसी) ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखा। पत्र में उनसे बलूचिस्तान के हालात पर तुरंत ध्यान देने की मांग की गई है। बीएस ने बाइडन से आग्रह किया कि वह बलूच लोगों के लिए न्याय की मांग करें।

बाइडन से तत्काल दखल देने की मांग

संगठन ने बलूचिस्तान में लोगों को जबरन गायब किए जाने, हिरासत में हत्याओं पर चिंता जताई है। पत्र में उन्होंने कहा, पिछले छह महीनों में बलूचिस्तान के लोगों को गायब करने और समाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में शामिल लोगों की हत्या की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पत्र में कहा गया, बलूचिस्तान की स्थिति पर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है। आपके दखल देने से कई लोगों की जान बच सकती है। अनगिनत लोगों और उनके परिवारों की पीड़ा कम हो सकती है।

चंद्रमा गुजर रहा है कई परिवर्तनों से

ठंडा होकर चंद्रमा सिकुड रहा है धीरे-धीरे

वॉशिंगटन । भविष्य में जब पृथ्वी में जलवायु परिवर्तन के कारण जीवन मुश्किल हो जाएगा, तब मानव जाति चांद पर कॉलोनी बसाकर रह सकती है। इसकी संभावनाओं को तलाश रहे हैं वैज्ञानिक। नई साइंटिफिक रिपोर्ट्स से ये पता चला है कि इस फ्यूचर प्लान में संकट आ सकता है। नए शोध से संकेत मिलता है कि पृथ्वी का खगोलीय साथी, चंद्रमा, कई परिवर्तनों से गुजर रहा है। पिछले कुछ सौ मिलियन वर्षों में इसके आकार में महत्वपूर्ण कमी आई है। दरअसल एक अध्ययन से पता चलता है कि चंद्रमा अपने कोर के धीरे-धीरे ठंडा होने के कारण परिधि में 150 फीट से अधिक सिकुड़ गया है। नासा, स्मिथसोनियन, एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी और मैरीलैंड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में सहयोगात्मक प्रयास से ऐसे सबूत मिले हैं, जो बताते हैं कि इस चल रहे चंद्र संकुचन के कारण चांद के दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाके में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं।हांलाकि इस सिकुड़ने को अंगूर की झुर्रियों के किशमिश में बदलने के समान बताया गया है। चांद के सिकुड़ने से एक भंगुर सतह बनती है, जिससे परत के भाग एक-दूसरे के खिलाफ धकेलने के कारण फॉल्ट बनाते हैं। ये फॉल्ट, बदले में, भूकंपीय गतिविधि को ट्रिगर करते हैं, जिसे मूनक्वेक के रूप में जाना जाता है, जो टेक्टोनिक फॉल्ट लाइनों के पास रहने वाले पृथ्वी के निवासियों के लिए खतरे की घंटी है। फिजिक्स ऑर्गनाइजेशन ने नेशनल एयर एंड स्पेस म्यूजियम में एक अध्ययन के सह-लेखक और वरिष्ठ वैज्ञानिक एमेरिटस थॉमस आर वॉटर्स को कोट करते हुए चेतावनी दी कि, चंद्रमा पर स्थायी आउटपोस्ट के स्थान और स्थिरता की योजना बनाते समय यंग थ्रस्ट फॉल्ट के वैश्विक वितरण, उनके सक्रिय होने की क्षमता, और चल रहे वैश्विक संकुचन से नए थ्रस्ट फॉल्ट पर विचार किया जाना चाहिए।रिसर्च में पता चला है कि दक्षिण-ध्रुवीय क्षेत्र में चंद्र दोषों के एक समूह को 50 साल से अधिक पहले अपोलो सिस्मोमीटर द्वारा दर्ज किए गए एक शक्तिशाली चंद्रमा भूकंप से जोड़ते हैं। सतह की स्थिरता का अनुकरण करने के लिए कंप्यूटर मॉडल का उपयोग किया गया, जिससे भूकंपीय गतिविधि के कारण चंद्र भूस्खलन के प्रति संवेदनशील कुछ क्षेत्रों का पता चला।

चीनी हैकर्स अमेरिका में ला सकते हैं तबाही, एफबीआई चीफ की चेतावनी- इंफ्रास्ट्रक्चर पर कर सकते हैं हमला

वॉशिंगटन । अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने चेतावनी दी है कि चीनी हैकर्स अमेरिका के अहम इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर हमला कर तबाही ला सकते हैं। रे ने चीनी साम्यवादी पार्टी पर अमेरिकी संसद की कमेटी को बताया कि चीनी हैकर्स अमेरिका के इंफ्रास्ट्रक्चर में सेंध लगा चुके हैं और चीन के इशारे पर अमेरिका में भारी तबाही ला सकते हैं और अमेरिकी नागरिकों को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।

इन जगहों को निशाना बना सकते हैं चीनी हैकर्स

एफबीआई चीफ ने कहा कि चीनी हैकर्स वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इलेक्ट्रिक ग्रिड और तेल और नेचुरल गैस पाइलपाइंस को निशाना बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह देश की सुरक्षा और समृद्धि के लिए बड़ा खतरा है। चीन की सरकार ने अमेरिका में हैकिंग के आरोपों से पूर्व में इनकार किया था। क्रिस्टोफर रे ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी के मामले में हमारी कुछ कमजोरियां हैं, जिसकी वजह से आसानी से चीनी हैकर्स ने सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर सेंध लगा दी है। अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी के प्रमुख जीन ईस्टरली ने भी एफबीआई चीफ की आशंका का समर्थन किया।

अमेरिका-चीन तनाव को कम करने के लिए कर रहे बातचीत

एफबीआई निदेशक की चेतावनी ऐसे समय आयी है, जब अमेरिका और चीन, दोनों ही देश तनाव को कम करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीनी समकक्ष के बीच बैंकॉक में अहम बैठक हुई थी। यह बैठक करीब 12 घंटे चली, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के हालात, उत्तर कोरिया आदि विषयों पर बातचीत हुई थी। अमेरिका द्वारा भी चीनी हैकर्स के साइबर हमले को रोकने की कोशिश की जा रही है और इसके लिए कई संदिग्ध कोड को केंद्रीय डिवाइस से हटाया जा रहा है, लेकिन माना जाता है कि चीनी हैकर्स की पहुंच काफी गहरी है और अभी भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

पीटीआई के दफ्तर में छापेमारी, पुलिस ने आरोपों से किया इनकार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनकी पार्टी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उनके दफ्तरों में छापेमारी की। साधारण कपड़े पहनकर पहुंची पुलिस ने सदस्य को परिसर में घुसने से रोक दिया। पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह छापेमारी इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14-14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई जाने के एक दिन बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इमरान खान की पार्टी की लगातार बढ़ रही है मुश्किलें

इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की एक आम सभा से पहले अचानक साधारण कपड़ों में पुलिस बल पहुंचा। हालांकि पीटीआई ने ऑनलाइन सभाओं को आयोजित किया है। साथ ही कहा कि पार्टी के भीतर संगठनात्मक चुनाव कराने का भी फैसला लिया है। बता दें इमरान की पार्टी को आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावों से पहले कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चुनाव आयोदग द्वारा पार्टी के चुनाव चिन्ह को निरस्त करने, पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और कई अन्य पार्टी नेताओं के नामांकन पत्रों को रद्द करना शामिल था। खास बात है कि पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने आरोपों से पलड़ा झाड़ते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना छापेमारी नहीं की जा सकती है। कोई भी ऐसा आदेश जारी नहीं किया गया था।

हमने नहीं की छापेमारी, आरोप निराधार- पुलिस

एक आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ जब कोर्ट ने फैसला सुनाया गया था तो संभावनाएं जताई जा रही थी कि विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। पुलिस ने पार्टी कार्यालय में प्रवेश नहीं किया, सिर्फ बाहर की खड़े थे। वहीं पीटीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि आम सभा की बैठक इस्लामाबाद, सभी प्रांतीय राजधानियों और गिलगित बाल्टिस्तान में आयोजित करने की योजना थी। जिसके लिए सभी स्थानों को इंटरनेट से जरिए जोड़ने की तैयारी थी। पार्टी से जुड़े नेता ने दावा किया था कि पुलिस अधिकारियों ने पीटीआई सदस्यों को धमकी दी, जो आम सभा की बैठक में भाग लेने के लिए वहां पहुंच रहे थे। उन्होंने धमकाया कि अगर वह शामिल हुए तो इसका परिणाम उन्हें भुगताना पड़ेगा।

पिता का सिर कलम करने वाला अमेरिकी शख्स गिरफ्तार

कटे हुए सिर का वीडियो पोस्ट किया; बाइडेन प्रशासन से नाखुश था आरोपी

वॉशिंगटन । अमेरिकी पुलिस ने पिता का सिर कलम करने वाले आरोपी बेटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बेटे ने पिता की हत्या करने के बाद उनका सिर धड़ से अलग किया। फिर इसे हाथ में पकड़कर वीडियो बनाया और यूट्यूब पर पोस्ट कर दिया। वीडियो में बेटा कह रहा था कि उसके पिता 20 साल से फेडरल वर्कर थे। वो गद्दार थे और सभी फेडरल वर्कर्स को मर जाना चाहिए। 14 मिनट के इस वीडियो में बेटे ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ कई बातें बोलीं। इसके अलावा उसने ब्लैक लाइव्स मैटर कम्युनिटी को लेकर भी बातें कहीं। हालांकि, 6 घंटे बाद यूट्यूब ने यह वीडियो हटा दिया था। इस वीडियो को 5 हजार लोगों ने देखा था। मामला 30 जनवरी का बताया जा रहा है। उसी दिन गिरफ्तारी भी हो गई थी। पुलिस ने अब इस मामले से जुड़ी जानकारियों का खुलासा किया है।

वीडियो में क्या दिख रहा था - रोपी बेटे ने (मॉन मिलिशिया- अमेरिकी देश भक्तों के लिए हथियारों का आह्वान) नाम से वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उसके हाथ में खून से सने प्लास्टिक के दस्ताने और पॉलीथिन बैग में पिता का सिर दिख रहा था। बाद में सिर एक बर्तन में दिखा था।

वीडियो में आरोपी लोगों से कह रहा था कि वो भी उसकी तरह पत्रकारों और फेडरल वर्कर्स पर हमला करें। उसका कहना था कि वामपंथियों की वजह से अमेरिका पूरी तरह से सड़ रहा है।

घर से 160 किलोमीटर दूर गिरफ्तारी हुई - 30 जनवरी को 32 साल के जस्टिन मॉन ने पेंसिल्वेनिया स्थित अपने घर में पिता माइकल मॉन की हत्या कर दी थी। उनका सिर कलम कर दिया था। फिर फरार हो गया था। इस दौरान उसकी मां- डेनिस घर पर नहीं थीं। जब वो घर लौटीं तो उन्हें पति माइकल का सिर कटा शव जमीन पर पड़ा मिला। उन्होंने पुलिस को फोन किया। कहा- मेरे पति की हत्या कर दी गई है। उनका शव घर पर पड़ा है। मेरा बेटा भी नहीं मिल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची। डेनिस ने पुलिस को बताया कि जब वो घर आई तो उनकी कार पार्किंग में नहीं थी। उन्हें लगा की घर पर कोई नहीं होगा, लेकिन अंदर पति का शव मिला।

बेडरूम में बर्तन के अंदर सिर मिला - पुलिस को माइकल का शव बाथरूम में मिला। पास में एक बड़ा चाकू और ग्लव्स भी मिले। छानबीन करने पर बेडरूम में रखे एक बर्तन के अंदर उनका सिर मिला। इसके बाद पुलिस ने कार की तलाश शुरू की। घटनास्थल से 160 किलोमीटर दूर कार मिली और जस्टिन मॉन को गिरफ्तार किया गया।

मां का सिर धड़ से अलग करने के बाद शव पर निर्वस्त्र लेटा मिला था आरोपी - अमेरिका के न्यू जर्सी में एक आदमी ने अपनी मां की हत्या करके उनका सिर धड़ से अलग कर दिया था। 46 साल के जेफरी सर्जेंट ने खुद ही पुलिस को फोन करके इसकी जानकारी दी थी। न्यू जर्सी के मीडिया हाउस के मुताबिक, उसने फोन पर कहा कि उसे बाइपोलर डिसऑर्डर नाम की बीमारी है और वो अपनी मां एलेक्जेंड्रिया सार्जेंट का खून कर चुका है। जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तब जेफरी नग्न अवस्था में अपनी मां के शव पर लेटा हुआ था। वो खून से लतपथ था। पुलिस अधिकारियों को उसकी मां का सिर शव से दूर हॉल के रास्ते में पड़ा था। कोर्ट के दस्तावेजों के मुताबिक, जेफरी ने सिर काटने के लिए एक चाकू का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने जैसे ही उसे हिरासत में लिया, वो चिल्लाने लगा कि मैंने अपनी मां की हत्या कर दी है और मुझे इसका बेहद दुख है।

हिरासत में गाना गा रहा था आरोपी - पुलिस ने बताया कि हिरासत के दौरान वो जीसस लव मी (जीसस मुझसे प्यार करते हैं) गाना गा रहा था। पुलिस को मिली अपार्टमेंट की सिक्योरिटी फुटेज में जेफरी अपनी मां का सिर कलम करता नजर आ रहा है।